भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
26.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4217 का उत्तर

जर्जर रेल सेतुओं की संख्या

4217. श्री राजीव राय:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में ऐसे जर्जर रेल सेतुओं की संख्या कितनी है जो रेलगाड़ियों के परिचालन में खतरा उत्पन्न कर रहे हैं;

(ख) क्या सरकार ने उक्त सेतुओं की मरम्मत/पुनर्निर्माण के लिए कोई योजना बनाई है;

(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के मऊ, गाजीपुर, गोरखपुर, आजमगढ़ और बलिया जिलों में ऐसे कितने सेतुओं की मरम्मत/पुनर्निर्माण किए जाने का प्रस्ताव है; और

(घ) उक्त मरम्मत/पुनर्निर्माण कार्य के कब तक पूरा होने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): भारतीय रेल पर रेल पुलों के निरीक्षण की एक सुस्थापित प्रणाली है। सभी रेल पुलों का एक वर्ष में दो बार निरीक्षण किया जाता है, एक मानसून के आरंभ होने से पहले और मानसून के बाद एक विस्तृत निरीक्षण किया जाता है। इसके अलावा, कुछ रेल पुलों का उनकी स्थिति के आधार पर कई बार भी निरीक्षण किया जाता है।

रेल पुलों की मरम्मत/सुदृढ़ीकरण/पुनरुद्धार/पुनःनिर्माण एक सतत् प्रक्रिया है और इसे निरीक्षणों के दौरान पता लगाई गई उनकी वास्तविक स्थिति के आधार पर जब कभी आवश्यकता हो, मरम्त/सुदृढ़ीकरण/पुनरुद्वार/पुनर्निमाण किया जाता है न कि उनकी आयु के आधार पर।

सभी रेल पुल अनुमेय गति पर गाड़ी परिचालन के लिए सुरक्षित हैं।

रेल पुलों की सूचना क्षेत्रिय रेल-वार रखी जाती है न कि राज्य-वार। उत्तर प्रदेश राज्य पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत आता है।

2014-2025 (फरवरी, 2025 तक) के दौरान, भारतीय रेल में 14,294 अदद रेल पुलों की मरम्मत//पुनरुद्धार/सुदृढ़ीकरण/पुनः निर्माण किया गया, जिनमें उत्तर प्रदेश को कवर करने वाले जोनल रेलवे के 4163 अदद रेल पुल शामिल हैं।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल पर मरम्मत/पुनरुद्धार/सुदृढ़ीकरण/पुनः निर्माण के लिए 9784 अदद रेल पुलों को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिनमें उत्तर प्रदेश को कवर करने वाल जोनल रेलवे के 2658 अदद रेलवे पुल शामिल हैं।

पुल कार्यों का पूरा होना योजनाओं की तैयारी, सामान्य आरेख व्यवस्था की मंजूरी, पहुंच मार्ग की उपलब्धता, जलवायु परिस्थितियों के कारण एक वर्ष के दौरान होने वाले कार्य अवधि, ब्लॉक की उपलब्धता, गति प्रतिबंध लगाना आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

******